Inclusive Education
समावेशी शिक्षा

Children with Locomotor Disabilities
गतिहीन दिव्यांगता वाले बच्चे

- Locomotor disability refers to a person's inability to move one or more part of the body efficiently due to problems in bones, joints, muscles or nerves.

  गतिहीन दिव्यांगता से तात्पर्य किसी व्यक्ति की हड्डियों, जोड़ो, मांसपेशियों या तंत्रिकाओं में समस्या के कारण शरीर के एक या अधिक भागों को कुशलतापूर्वक चलाने में असमर्थता से है।

- Inability to execute distinctive activities associated with movement of self and manipulation of objects resulting from affliction of musculoskeletal and/or nervous system.

  तंत्रिका तंत्र की पीड़ा के परिणामस्वरूप स्वयं की गति और वस्तुओं के कार्यसाधन से जुड़ी विशिष्ट गतिविधियों को निष्पादित करने में असमर्थता।

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

- The percentage of persons with locomotor disability is the highest among the total disabled population of India constituting a sizeable portion of 20.3 percent population of total individuals with disabilities.
  गतिहीन दिव्यांगता वाले व्यक्तियों का प्रतिशत भारत की कुल दिव्यांग आबादी में सबसे अधिक है, जो दिव्यांग व्यक्तियों की कुलआबादी का 20.3 प्रतिशत का एक बड़ा हिस्सा है।

- The persons with locomotor disabilities face difficulties to use one or more of his/her extremities, or may have lack of strength to walk, grasp, or lift objects. Assistive devices like wheelchair, crutches, or a walker may be utilized to aid in their mobility.
  गतिहीनता वाले व्यक्तियों को अपने एक या अधिक अंगों का उपयोग करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, या उनमें चलने, पकड़ने या वस्तुओं को उठाने की शक्ति की कमी हो सकती है। उनकी गतिशीलता में सहायता के लिए व्हीलचेयर, बैसाखी या वॉकर जैसे सहायक उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है।

- Locomotor disability could be the result of disease, injury of malformation of bones, joints, muscles, nerves, spinal cord and brain. This may be Congenital or acquired.
  गतिहीनता रोग, हड्डियों, जोड़ों, मांसपेशियों, तंत्रिकाओं, रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क की विकृति की चोट का परिणाम हो सकती है। यह जन्मजात या अधिग्रहित हो सकता है।

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

As per the PWD, Act-1995
PWD अधिनियम - 1995 के अनुसार

- "Locomotor disability" means disability of the bones, joints or muscles leading to substantial restriction of the movement of the limbs or any form of cerebral palsy.
  "चलने की अक्षमता" का अर्थ हड्डियों, जोड़ों या मांसपेशियों की अक्षमता है जिसके कारण अंगों की गति या किसी भी प्रकार के मस्तिष्क पक्षाघात पर पर्याप्त प्रतिबंध होता है।

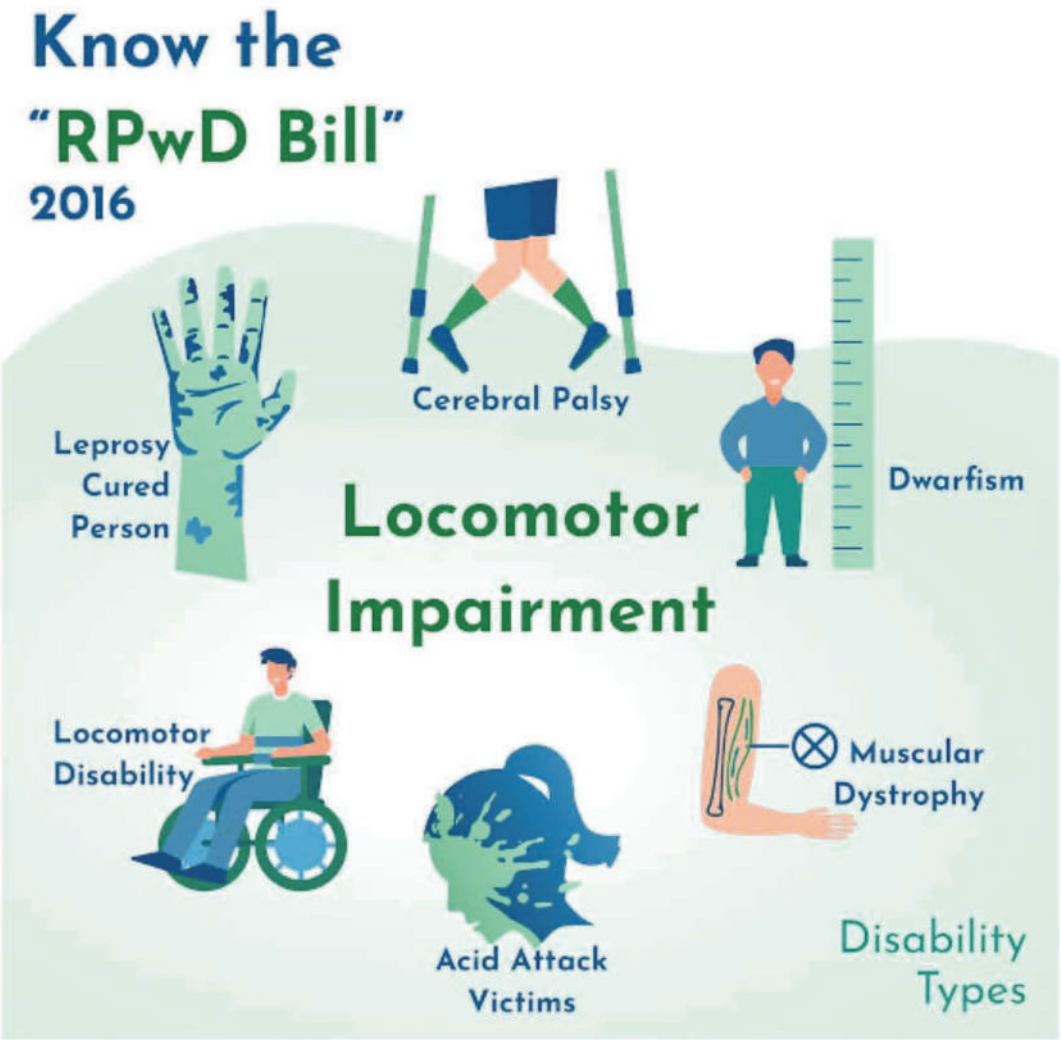

The major types of locomotor disabilities are:
गत्यात्मक दिव्यांगता के प्रमुख प्रकार :

1) **Musculoskeletal (मांसपेशिय)**

Disabilities caused by problems in muscles, bones or joints.
मांसपेशियों, हड्डियों या जोड़ों में समस्याओं के कारण होने वाली विकलांगता ।

2) **Congenital malformation (जन्मजाति विकृति)**

Disabilities present from birth such as clubfoot or missing limbs.
जन्म से मौजूद विकलांगताएँ जैसे क्लबफुट या अंगों का गायब होना।

3) **Accidents (दुर्घटनाएँ)**

Physical disabilities caused by injuries like fractures, spinal damage etc.
फ्रैक्चर, रीढ़ की हड्डी में क्षति आदि जैसी चोटों के कारण होने वाली शारीरिक विकलांगता।

Other chronic disabilities such as:
अन्य दीर्घकालिक दिव्यांगताएं जैसे:

- Polio (पोलियो)
- Rickets (रिकेट्स)
- Spinal bifida (स्पाइनल बिफिड़ा)
- Congenital deformities of hips and limbs (कूल्हों और अंगों की जन्मजात विकृतियाँ)
- Deformities of spine (रीढ़ की हड्डी की विकृति)
- Muscular dystrophy (मस्कुलर डिस्ट्रॉफी)
- Amputation (विच्छेदन)

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

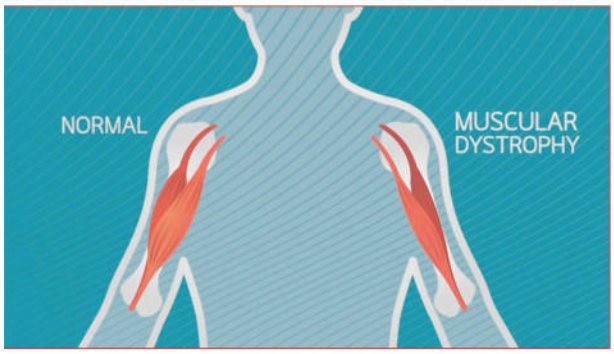

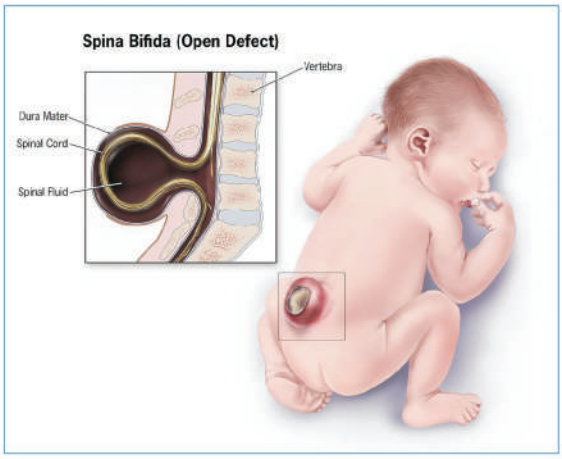

Intervention
हस्तक्षेप

- Physical Therapy
  (शारीरिक चिकित्सा)
- Occupational Therapy
  (व्यवसायिक चिकित्सा)
- Speech and language Therapy
  (भाषण और भाषा चिकित्सा)

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

Access and a Barrier-Free Environment:
पहुँच और बाधा मुक्त वातावरण

- As a mandatory requirement of barrier free school environment after implementation of Right to Education Act, 2009.
  शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के कार्यान्वयन के बाद बाधा मुक्त स्कूल वातावरण की अनिवार्य आवश्यकता।
- And to ensure such barrier free environment for children with locomotor disability, especially for children who use a wheelchair, who use a rollator, tricycle, a walker, crutches or walking sticks etc.
  तथा चलने फिरने में अक्षम बच्चों, विशेषकर व्हीलचेयर का उपयोग करने वाले बच्चों, रोलटर, ट्राइसाइकिल, वॉकर, बैसाखी या छड़ी आदि का उपयोग करने वाले बच्चों के लिए ऐसा बाधा मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना।

Backward Children
पिछड़े बच्चे

- Backward children are the children who show inability to progress normally in school work.
  पिछड़े बच्चे वे बच्चे हैं जो स्कूल के काम में सामान्य रूप से प्रगति करने में असमर्थता दिखाते है।
- According to Cyril Burt. "The Backward child is one who is unable to do the work of the class next below that which is normal for his age."
  सिरिल बर्ट के अनुसार, "पिछड़ा बच्चा वह है जो अपनी आयु के अनुसार अगली कक्षा का कार्य करने में असमर्थ है।"

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

- A backward child is a slow learner.
  पिछड़ा हुआ बच्चा धीमी गति से सीखता है।
- He is unable to do the work of the class in which he is placed or even of the class below that.
  वह जिस कक्षा में है, उसका या उससे नीचे की कक्षा का काम करने में असमर्थ है।
- He is not up to the attainment levels in various subjects which are normal for his age or grade.
  वह विभिन्न विषयों में उस स्तर तक नहीं पहुंच पाया है जो उसकी आयु के लिए सामान्य है।
- His educational ratio, which can be obtained by first ascertaining the average attainment level or age in all the subjects and then dividing it by his chronological age,
  उसका शैक्षिक अनुपात, जिसे पहले सभी विषयों में औसत प्राप्ति स्तर या आयु का पता लगाकर और फिर उसे उसकी कालानुक्रमिक आयु से विभाजित करके प्राप्त किया जा सकता है।
- is below 85 whereas a medium child has educational ratio or quotient between 85 and 155.
  85 से कम है जबकि मध्यम बच्चे का शैक्षिक अनुपात या भागफल 85 और 155 के बीच है।
- The main feature of backwardness is educational impoverishment.
  पिछड़ेपन की मुख्य विशेषता शैक्षिक दरिद्रता है।

Types of Backwardness
पिछड़ेपन के प्रकार

1. **General backwardness –** When a child remains unsuccessful in every subject included in the curriculum, he is said to be a case of general backwardness.
   सामान्य पिछड़ापन – जब कोई बच्चा पाठ्यक्रम में शामिल हर विषय में असफल रहता है, तो उसे सामान्य पिछड़ापन कहा जाता है।
2. **Specific backwardness –** When the child exhibits lack of progress or backwardness in a particular subject or a specific area of knowledge, he is said to be suffering from specific backwardness.
   विशिष्ट पिछड़ापन – जब बच्चा किसी विशेष विषय या ज्ञान के विशिष्ट क्षेत्र में प्रगति की कमी या पिछड़ापन प्रदर्शित करता है; तो उसे विशिष्ट पिछड़ापन से ग्रस्त कहा जाता है।

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

Causes of Backwardness
पिछड़ेपन के कारण

Category (वर्ग)	Examples (उदाहरण)
• Physical (शारीरिक)	Poor health, malnutrition, Physical defect, sensory disabilities and diseases. खराब स्वास्थ, कुपोषण, शारीरिक दोष, संवेदी विकलांगता और रोग।
• Mental (मानसिक)	Poor intellectual ability, Low IQ and learning disabilities. खराब बौद्धिक क्षमता, कम बुद्धि लब्धि और अधिगम संबंधी विकलांगता।
• Emotional (भावनात्मक)	Anxiety, Trauma, low self-esteem, emotional disturbance. चिंता, आघात, कम आत्मसम्मान, भावनात्मक अशांति ।
• Social (सामाजिक)	Poverty, Poor home condition, influence of neighborhood. गरीबी, घर की हालत खराब, पड़ोस का प्रभाव।
• School based (स्कूल आधारित)	Ineffective teaching, poor curriculum fit. अप्रभावी शिक्षण, खराब पाठ्यक्रम।

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

Educational Guidance of the Backward Child
पिछड़े बच्चों का शैक्षिक मार्गदर्शन

(1) Slow learners require short and simple methods of instruction based on concrete living experiences with concrete materials.
धीमी गति से सीखने वालों को ठोस सामग्रियों के साथ ठोस जीवन के अनुभवों पर आधारित शिक्षण की छोटी और सरल विधियों की आवश्यकता होती है।

(2) Habits of success must be developed if the child is to retain that self-confidence which is so vital to him.
यदि बच्चे को आत्मविश्वास बनाए रखना है, जो उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, तो सफलता की आदतें विकसित करनी होंगी।

- The teacher should lead him very slowly, making sure that each step is thoroughly mastered before the next is introduced.
शिक्षक को उसे बहुत धीरे-धीरे आगे बढ़ाना चाहिए, तथा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक चरण में वह पूरी तरह पारगंत हो जाए, उसके बाद ही अगला चरण शुरू किया जाए।

(3) They should be encouraged to participate in extracurricular activities of the school according to their interests and abilities.
उन्हें उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार स्कूल की पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

(4) Individual attention should be paid to such matters as health, social conditions, school attention, and teaching methods.
स्वास्थ्य, सामाजिक परिस्थितियाँ, स्कूल में ध्यान और शिक्षण पद्धति जैसे मामलों पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जाना चाहिए।

(5) The class-work should stimulate all the senses.
कक्षा-कार्य सभी इंद्रियों को उत्तेजित करना चाहिए।

(6) The class teacher should seek the help of specialists if possible, to remedy the defects of speech, hearing and sight.
कक्षा- शिक्षक को वाणी, श्रवण और दृष्टि के दोषों को दूर करने के लिए, यदि संभव हो तो, विशेषज्ञों की सहायता लेनी चाहिए।

(7) The teacher must have great patience, and a firm determination. Never to be discouraged, while at the same time clearly recognising the child's limitations.

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

शिक्षक में बहुत धैर्य और दृढ़ निश्चय होना चाहिए। कभी भी हतोत्साहित नहीं होना चाहिए, साथ ही बच्चे की सीमाओं को भी स्पष्ट रूप से पहचानना चाहिए।

- A backward child needs praise, continuous help, sympathetic consideration of his difficulties and sustained interest on the part of his teacher.
  एक पिछड़े बच्चे को अपने शिक्षक की और से प्रशंसा, निरंतर सहायता, उसकी कठिनाईयों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार और निरंतर रुचि की आवश्यकता होती है।

(9) In the case of specific backwardness in specific subject area, remedial teaching has proved profitable.
विशिष्ट विषय क्षेत्र में विशिष्ट पिछड़ेपन की स्थिति में उपचारात्मक शिक्षण लाभदायक सिद्ध हुआ है।

- The remedial programme has to be planned according to the deficiencies shown by the diagnostic tests in the various processes, steps of learning and the various elements constituting the subject.
  सुधारात्मक कार्यक्रम की योजना विभिन्न प्रक्रियाओं, अधिगम के चरणों और विषय को बनाने वाले विभिन्न तत्वों में निदान परीक्षणों द्वारा दर्शाई गई कमियों के अनुसार बनाई जानी चाहिए।

Juvenile Delinquents
बाल अपराधी

- Juvenile delinquency is the criminal activity charged by a person who is under the age of 18 years.
  बाल अपराध वह अपराधिक गतिविधि है जो 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति द्वारा की जाती है।
- So it is quite clear that juvenile delinquency is also a part of all those behavioural change that occurs in a persons life while passing the stormy phase of adolescence.
  अत: यह स्पष्ट है कि किशोर अपराध भी उन सभी व्यवहारगत परिवर्तनों का एक हिस्सा है जो किशोरावस्था के तूफानी दौर से गुजरते समय व्यक्ति के जीवन में आते है।

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

Causes of Juvenile Delinquency
बाल अपराध के कारण

1. Individual Factors (व्यक्तिगत कारक)
2. Family Factors (पारिवारिक कारक)
3. Mental Health Factors (मानसिक स्वास्थ्य कारक)
4. Substance Abuse Factors (मादक द्रव्यों के सेवन के कारक)

1. Individual Factors (व्यक्तिगत कारक)

- Lower intelligence (कम बुद्धि)
- Who does not receive a proper education (जिसे उचित शिक्षा नहीं मिलती)
- Impulsive behaviour (आवेगपूर्ण व्यवहार)
- Uncontrolled aggression (अनियंत्रित आक्रामकता)
- An inability to delay gratification. (संतुष्टि में देरी करने में असमर्थता)

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

2. Family Factors (पारिवारिक कारक)

These family risk factors include:
पारिवारिक जोखिम कारकों में शामिल है:-

- a lack of proper parental supervision,
  (माता पिता की उचित देखरेख का अभाव)
- ongoing parental conflict,
  (माता-पिता के आपस में झगड़े)
- neglect and abuse (emotional, psychological or physical).
  (उपेक्षा और दुर्व्यवहार [भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक या शारीरिक])

Prevention of Juvenile Delinquency
बाल अपराध की रोकथाम

- Prevention services include activities such as substance abuse education and treatment, family counseling, youth mentoring, parenting education, educational support and youth sheltering.
  निवारण सेवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन के बारे में शिक्षा और उपचार, परिवार परामर्श, युवाओं को सलाह देना, माता पिता बनने के बारे में शिक्षा, शैक्षिक सहायता और युवाओं को आश्रय देना जैसी गतिविधियाँ शामिल है।

Activities Under Rehabilitation
पुनर्वास के अंतर्गत गतिविधियाँ

1. Discipline (अनुशासन)
2. Yoga (योग)
3. Meditation (ध्यान)
4. Personality Development (व्यक्तित्व विकास)

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

5. Counseling (परामर्श)
6. Vocational and skill training (व्यवसायिक और कौशल प्रशिक्षण)
8. Computer Education (कम्प्यूटर शिक्षा)
9. Art and craft therapy (कला और शिल्प चिकित्सा)

Disadvantaged and Deprived Children
आलाभांवित एवं वंचित बच्चे

- The term 'Disadvantaged' means children, who come from socio-economical backward section of the community who cannot profit from school because of deprivation of one sort or another,
  'आलाभांवित' शब्द का तात्पर्य ऐसे बच्चों से है, जो समुदाय के सामाजिक आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग से आते है, जो किसी न किसी प्रकार के अभाव के कारण स्कूल से लाभ नहीं उठा सकते।
- and children who are seen in interior tribal and rural areas of country where educational facilities have not reached in the way we find them in a metropolitan area.
  और वह बच्चे जो देश के सुदूर आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में देखे जाते हैं, जहाँ शैक्षिक सुविधाएँ उस तरह नहीं पहुंची है जैसी हम महानगरीय क्षेत्रों में पाते है।

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

Learning Disabilities
अधिगम संबंधी विकार

- The concept of Learning Disabilities was introduced by Samuel Kirk in early 1960s.
  अधिगम संबंधी दिव्यांगता की अवधारणा 1960 के दशक की शुरूआत में सैमुअल किर्क द्वारा पेश की गई थी।
- Cultural deprivation refers to a complex set of conditions which create intellectual deficiency in a child.
  सांस्कृतिक वंचना से तात्पर्य परिस्थितियों के एक जटिल समूह से है जो बच्चे में बौद्धिक कमी पैदा करता है।

- These conditions include unstimulated environment, lack of verbal interaction with adults, poor sensory experience and other deleterious environmental factors associated with poverty.
  इन स्थितियों में अप्रेरित वातावरण, वयस्कों के साथ शाब्दिक अंत: क्रिया का अभाव, खराब संवेदी अनुभव और गरीबी से जुड़े अन्य हानिकारक पर्यावरणीय कारक शामिल है।

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

However, the term 'deprived' or 'disadvantaged' or 'culturally different' was used to indicate who are marked by the following three general characteristics during their school life:

'वंचित', 'आलाभांवित' और 'सांस्कृतिक रूप से भिन्न' शब्द का प्रयोग उन लोगो को संकेत करने के लिए किया गया था जो अपने स्कूली जीवन के दौरान निम्नलिखित तीन सामान्य विशेषताओं से चिह्नित होते है :

1. Progressive decline in intellectual functioning.
   बौद्धिक कार्यक्षमता में प्रगतिशील गिरावट।
2. Cumulative Academic Achievement Deficits, and
   संचिय शैक्षणिक उपलब्धि घाटा, और
3. Premature School termination or higher drop-out rate.
   समय से पहले स्कूल से निकाल देना या स्कूल छोड़ने की उच्च दर ।

Special learning characteristics of the socially deprived or disadvantaged learners:
सामाजिक रूप से वंचित या सुविधाहीन शिक्षार्थीयों की विशेष शिषण विशेषताएँ

(1) Orientation towards physical and visual rather than to the oral.
शाब्दिक की जगह भौतिक और दृश्य की ओर उन्मुखीकरण।

(2) Content-centred rather than introspective.
आत्मनिरीक्षण के बजाय विषय वस्तु केंद्रित।

(3) Problem-centred rather than abstract centred.
अमूर्त केन्द्रित के बजाय समस्या केन्द्रित।

(4) Inductive rather than deductive.
निगमनात्मक के बजाय आगमनात्मक।

(5) Slow, careful, patient and persevering rather than quick, clever and flexible.
त्वरित, चतुर और लचीले के बजाय धीमे, सावधान, धैर्यवान और दृढ़निश्चयी ।

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

(6) Inclined to communicate through actions rather than words.
शब्दों के बजाय कार्यों के माध्यम से संवाद करने की प्रवृत्ति।

(7) Deficient in auditory attention and interpretation skills.
श्रवण ध्यान और व्याख्या कौशल में कमी।

(8) Short attention span.
कम ध्यान अवधि।

Meeting the needs of the disadvantaged child is relatively new educational approach.
वंचित बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करना अपेक्षाकृत नया शैक्षिक दृष्टिकोण है।

Causes of Socially Disadvantage Children
सामाजिक रूप से वंचित बच्चों के कारण

- Cultural deprivation or disadvantage arise due to a complex set of conditions which create intellectual deficiency in a child.
  सांस्कृतिक अभाव या असुविधा उन जटिल परिस्थितियों के कारण उत्पन्न होती है जो बच्चे में बौद्धिक कमी पैदा करती है।
- Some of these conditions are attributed to unstimulating environment,
  इनमें से कुछ स्थितियाँ अरूचिकार वातावरण के कारण होती है।
- Lack of verbal interaction with adults poor sensory experience
  वयस्कों के साथ मौखिक बातचीत का अभाव, खराब संवेदी अनुभव।
- Deleterious environmental factors generally associated with poverty, low social status, malnutrition, broken homes.
  हानिकारक पर्यावरणीय कारक आमतौर पर गरीबी, निम्न सामाजिक स्थिति, कुपोषण, टुटे हुए घरों से जुड़े होते है।

Problems of Disadvantaged Children
वंचित बच्चों की समस्याएँ

1) Language Difficulties (भाषा संबंधी कठिनाइयाँ)
2) Nutritional Deficiency (पोषण की कमी)
3) Motivational Problems (प्रेरणात्मक समस्याएँ)

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube

1. Inadequate early socialisation. (प्रारंभिक सामाजीकरण का अभाव)
2. Mark of oppression. (ज़ुल्म की निशानी)
3. Organic deficits. (जैविक घाटे)
4. Inadequate social environment. (अपर्याप्त सामाजिक वातावरण)
5. Culture conflicts and educational deprivation.
   (सांस्कृतिक संघर्ष और शैक्षिक वंचना)

Remedial Measures for Disadvantaged Children
वंचित बच्चों के लिए उपचारात्मक उपाय

(1) Socially disadvantaged children must be trained to achieve three objectives, viz., Knowledge, Skill and Attitude.
सामाजिक रूप से वंचित बच्चों को तीन उद्देश्यों अर्थात् ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

(2) Self-concept, level of aspiration and achievement motivation should be accelerated.
आत्म- अवधारणा, आकांक्षा का स्तर और उपलब्धि प्रेरणा को तेज किया जाना चाहिए।

(3) Language training and analytical thinking must be included.
भाषा प्रशिक्षण और विश्लेषणात्मक सोच को शामिल किया जाना चाहिए।

(4) These children must be trained to acquaint themselves with concrete life situations.
इन बच्चों को ठोस जीवन स्थितियाँ से परिचित कराने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

Education Provisions
शैक्षिक प्रावधान

(1) Establishment of Residential Schools. (आवासीय विद्यालयों की स्थापना)

(2) Financial Help for Disadvantaged Children.
(वंचित बच्चों के लिए वित्तीय सहायता)

(3) Craft Education (शिल्प शिक्षा)

(4) Incentives to Indigent Families (निर्धन परिवारों को प्रोत्साहन)

Let's LEARN YouTube CLICK HERE https://www.youtube.com/c/LetsLEARN2016
Telegram Let's LEARN App YouTube